

## लखनऊ, कानपुर, अयोध्या समेत उत्तर प्रदेश के छह शहरों में शुरू होगी आवासीय योजनाएँ

### चर्चा में क्यों?

2 नवंबर, 2022 को उत्तर प्रदेश की आवास विकास परिषद की बोर्ड बैठक में यह फैसला लिया गया कि प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, मथुरा, बरेली और कन्नौज में आवासीय योजनाएँ शुरू की जाएंगी।

### प्रमुख बिंदु

- इस बैठक में बताया गया कि लखनऊ, मथुरा और अयोध्या में आवासीय योजना उत्तर प्रदेश दविस पर 24 जनवरी, 2023 को ही लॉन्च होंगी, जबकि बरेली, कानपुर तथा कन्नौज की योजना भी वर्ष 2023 में ही आएंगी।
- कानपुर की मंथना आवासीय योजना की ज़मीन अब अनविरय अभिनिरिणय के तहत ली जाएगी। इसके अलावा लखनऊ में प्रदेश का सबसे बड़ा 5000 क्षमता का कन्वेंशन सेंटर बनेगा तथा अवध वहार और वृंदावन के रक्ति फ्लैटों में 15 परतशित की छूट मलिंगी। आवास विकास परिषद ने लखनऊ, मथुरा, अयोध्या योजना के लयि ज़मीन अधगिरहति कर ली है।
- अपर आवास आयुक्त एवं सचवि डॉ. नीरज शुक्ला ने बताया कि लखनऊ में 265 एकड़ ज़मीन नई जेल रोड पर ली गई है। इसके अलावा मथुरा में 300 एकड़ में नई आवासीय योजना आएगी।
- अयोध्या योजना के लयि मांझा बरेहटा, मांझा सहनवाजपुर व तहिरा गाँव की पहले 1291 एकड़ ज़मीन ली जा रही थी। अब मांझा बरेहटा की 241 एकड़ ज़मीन और लयि जाने का नरिणय हुआ है। वर्तमान में 600 एकड़ से ज़्यादा ज़मीन का अधगिरहण हो चुका है।
- उन्होंने बताया कि आवास विकास परिषद की मथुरा आवासीय योजना प्राइम के लयि करीब पौने 300 एकड़ ज़मीन ली जा रही है। इसके एक तरफ राष्टरीय राजमार्ग संख्या 2 है तथा दूसरी तरफ छटीकरा वृंदावन रोड है। यह योजना वृंदावन के मुख्य प्रवेश द्वार पर स्थति है तथा वृंदावन के मुख्य मंदरिों में से एक माता वैष्णो मंदरि से लगी बाउंडरी पर स्थति है।
- बरेली शाहजहाँपुर रोड पर नई आवासीय योजना के लयि 561 हेक्टेयर जमीन ली जा रही है। यह योजना लैंड पूलगि स्कीम के तहत वकिसति होगी।
- कानपुर की मंथना योजना 229 हेक्टेयर में वकिसति होगी तथा इस योजना के लयि वर्ष 2009 में धारा 28, यानी अधगिरहण का नोटफिकेशन जारी हुआ था। यहाँ के कसिान आपसी सहमता से ज़मीन नहीं दे रहे हैं, इसलयि बोर्ड ने अनविरय अभिनिरिणय के तहत यहाँ की ज़मीन लेने का फैसला लयिा है।
- 89.52 एकड़ में कन्नौज में भी नई आवासीय योजना लाई जा रही है। इसके लयि धारा 28 का नोटफिकेशन हो गया है। इसके अंतर्गत मदनपुर बड्ड, यूसुफपुर भगवान सहति चार गाँवों की ज़मीन ली जा रही है।